ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

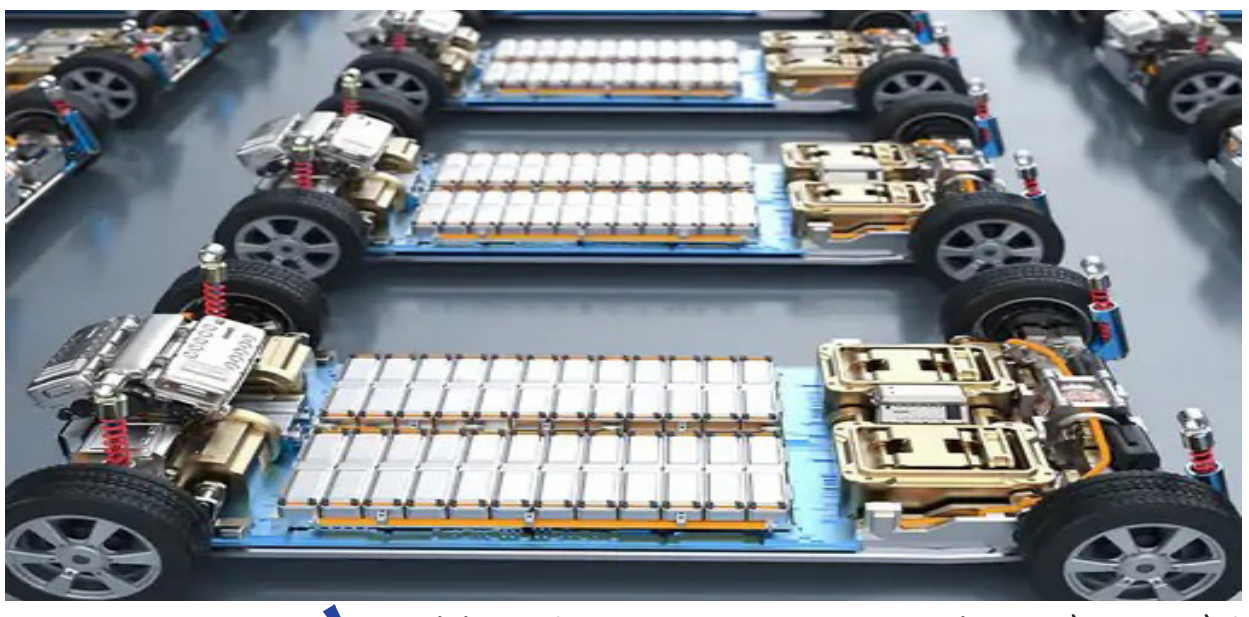
WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 02 जनवरी 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 241

EV बैटरियों पर 21 अंकों का यूनिक नंबर लगेगा: क्वालिटी और असली लाइफ चेक करना आसान, रिसाइकिल पर मिलेगा नया नंबर



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) की बैटरियों की पहचान और ट्रैकिंग के लिए एक नया सिस्टम तैयार किया है। इसके तहत देश में हर EV बैटरी को एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर दिया जाएगा, जिसे बैटरी पैक आधार नंबर (BPAN) कहा जाएगा। इस नंबर में 21 अंकों का यूनिक कोड होगा, जिससे बैटरी के निर्माण से लेकर उसकी समाप्ति या रिसाइकिलिंग तक की पूरी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध हो सकेगी। मंत्रालय की ड्राफ्ट गाइडलाइंस के अनुसार, बैटरी निर्माता और इंपोर्ट करने वाली कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे हर बैटरी पैक को 21-कैरेक्टर का BPAN असाइन करें। यह नियम केवल बिक्री के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के स्वयं के इस्तेमाल के बैटरियों पर भी लागू होगा। नंबर लगेगा ऐसे स्थान पर जो मिटाया न जा सके

गाइडलाइंस में कहा गया है कि BPAN बैटरी पर ऐसी जगह लगाया जाना चाहिए, जो आसानी से दिखाई दे और जिसे खराब या मिटाया न जा सके। साथ ही, कंपनियों को बैटरी का रियल-टाइम डेटा BPAN ऑफिशियल पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इस सिस्टम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह बैटरी की पूरी लाइफ साइकिल पर नजर रखेगा—कच्चे माल की माइनिंग, निर्माण, इस्तेमाल और रिसाइकिलिंग की जानकारी। यदि बैटरी को रिसाइकिल किया जाता है या किसी अन्य उपयोग के लिए दोबारा तैयार किया जाता है, तो उसे नया BPAN नंबर जारी किया जाएगा। इससे पुरानी और नई बैटरियों के बीच पारदर्शिता बनी रहेगी। इंडस्ट्रियल बैटरियों पर भी नियम लागू भारत में लिथियम-आयन बैटरियों की कुल मांग का 80-90% हिस्सा EV सेक्टर से आता है। इसलिए सरकार ने EV बैटरियों को प्राथमिकता दी है। हालांकि, गाइडलाइंस में 2 kWh से अधिक क्षमता वाली इंडस्ट्रियल बैटरियों पर भी यह नियम लागू करने का सुझाव दिया गया है। BPAN सिस्टम को लागू करने के लिए ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (AIS) का रूट अपनाया जाएगा। इसके लिए एक कमेटी बनाई जाएगी, जिसमें बैटरी निर्माता, कार कंपनियां, रिसाइक्लर्स और सरकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह कमेटी तकनीकी बारीकियों और नियमों को समान रूप से लागू कराने पर काम करेगी।

बैटरी की सेकंड लाइफ

EV बैटरी जब 70-80% कैपेसिटी पर आ जाती है, तो वह कार में उपयोग के लायक नहीं रहती। लेकिन इसे घरों में इन्वर्टर या सोलर पावर स्टोर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। BPAN के माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि कौन सी बैटरी अब कार से हटाकर अन्य काम में ली जा सकती है।

बंद होने वाला है 500 का नोट? PIB और वित्त मंत्रालय ने जारी किया बयान



24 न्यूज अपडेट

सोशल मीडिया पर हाल ही में यह अफवाह तेजी से फैल रही थी कि मार्च 2026 से एटीएम में 500 रुपए के नोट नहीं मिलेंगे और सरकार इन्हें धीरे-धीरे सर्कुलेशन से बाहर कर देगी. इस खबर ने आम लोगों में चिंता पैदा कर दी थी. हालांकि, प्रेस इंफोर्मेशन ब्यूरो (PIB) और वित्त मंत्रालय ने इसे पूरी तरह फर्जी खबर करार दिया है.

PIB का स्पष्ट बयान

PIB ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही पोस्ट और वीडियो के दावों को खारिज करते हुए कहा कि 500 रुपए का नोट पूरी तरह वैध (लीगल टेंडर) है और देशभर में पहले की तरह चलता रहेगा. PIB ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर भरोसा न करें और किसी भी खबर को शेयर करने से पहले सरकारी आधिकारिक स्रोत से पुष्टि करें.

500 रुपए के नोट को लेकर क्यों है इतनी चर्चा?

500 रुपए के नोट को लेकर लगातार चर्चा इसलिए होती रहती है क्योंकि यह एटीएम में सबसे ज्यादा उपलब्ध होता है. इससे लोग एक बार में बड़ी रकम आसानी से निकाल सकते हैं. अगर यह नोट बंद होता, तो कैश निकासी में दिक्कतें बढ़ सकती थीं. हालांकि, एटीएम में 100 और 200 रुपए के नोट भी मौजूद रहते हैं, लेकिन 500 रुपए का नोट सिस्टम की रीढ़ माना जाता है.

राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री ने दी थी सफाई

यह पहली बार नहीं है जब ऐसी अफवाह फैली हो. जून 2025 में भी एक यूट्यूब वीडियो में दावा किया गया था कि मार्च 2026 से 500 रुपए का नोट बंद हो जाएगा. उस समय भी सरकार ने इसे पूरी तरह खारिज किया था. अगस्त 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में साफ कहा था कि सरकार के पास 500 रुपए के नोट की सप्लाई बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एटीएम में 100, 200 और 500 रुपए के नोट उपलब्ध रहेंगे.

PIB का कहना है कि, 500 रुपए का नोट पूरी तरह सुरक्षित है और सोशल मीडिया पर फैल रही खबरें केवल अफवाहें हैं. आम जनता को चाहिए कि वे किसी भी खबर पर तुरंत विश्वास करने के बजाय आधिकारिक सरकारी स्रोतों से पुष्टि करें.

BCCI के निर्देश पर KKR ने मुस्तफिजुर रहमान को टीम से किया बाहर

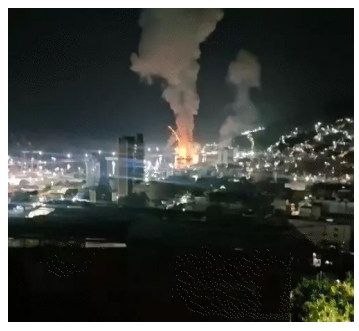


24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले बड़ा फैसला लेते हुए बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दिया है। यह निर्णय पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा को देखते हुए लिया गया है। पिछले दो सप्ताह में बांग्लादेश में चार हिंदुओं की हत्या की घटनाएं सामने आने के बाद भारत में इस मामले पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। इन्हीं घटनाओं के मद्देनज़र IPL में मुस्तफिजुर रहमान की भागीदारी पर सवाल उठने लगे और सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट गलियारों तक विरोध तेज हो गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने KKR प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि मौजूदा परिस्थितियों में मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किया जाए। इसके बाद KKR ने सभी आंतरिक प्रक्रियाएं और आपसी विचार-विमर्श पूरा कर यह फैसला लिया। KKR ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर जारी आधिकारिक बयान में कहा कि BCCI के निर्देशों के अनुपालन में मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज किया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि IPL नियमों के तहत फ्रेंचाइजी को रिप्लेसमेंट खिलाड़ी चुनने की अनुमति दे दी गई है, जिसकी जानकारी उचित समय पर साझा की जाएगी। BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने भी पुष्टि करते हुए कहा कि हालिया घटनाक्रमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बोर्ड ने हालात का आकलन कर यह निर्णय लिया और फ्रेंचाइजी को आवश्यक विकल्प चुनने की छूट दी है। गौरतलब है कि IPL 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 31 मई को खेला जाएगा।

अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला, राष्ट्रपति को पकड़ा

24 न्यूज अपडेट



अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने का दावा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया एडेला अब अमेरिकी सैनिकों के कब्जे में हैं। उन्हें वेनेजुएला से बाहर ले जाया गया है।

अमेरिका ने बीती रात करीब 2 बजे (भारतीय समय के मुताबिक शनिवार सुबह 11:30 बजे) वेनेजुएला के 4 शहरों पर हमले किए थे। इस दौरान अमेरिकी सैनिकों ने मिलिट्री ठिकानों और खास जगहों को निशाना बनाया। ट्रम्प ने कहा कि वे सुबह 11 बजे (भारतीय समय के मुताबिक रात 9:30 बजे) प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले पर पूरी जानकारी देंगे।

इस हफ्ते चांदी महंगी हुई, सोने के दाम कम हुए: सोना 3174 गिरकर 1.35 लाख पर आया, चांदी 6443 बढ़कर 2.35 लाख किलो हुई

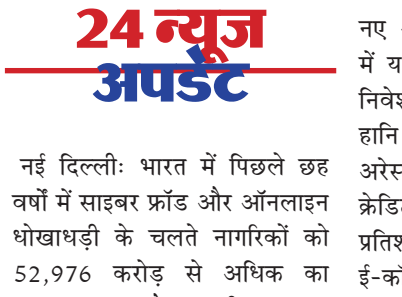


24 न्यूज अपडेट

इस हफ्ते सोने के दाम में गिरावट रही। सोना 3,174 रुपए गिरकर 1,34,782 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 26 दिसंबर, शुक्रवार को 1,37,956 रुपए पर था।

वहीं चांदी में बीते हफ्ते बढ़त रही। चांदी 2,28,107 किलो से बढ़कर 2,34,550 रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 6,443 रुपए बढ़ी है।

भारत में छह साल में साइबर फ्रॉड से नुकसान 52,976 करोड़ से अधिक



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली: भारत में पिछले छह वर्षों में साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन धोखाधड़ी के चलते नागरिकों को 52,976 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है. भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक वित्तीय हानि दर्ज की गई .

2025 में, भारत में साइबर और धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में 19,813 करोड़ का नुकसान हुआ और 2,177,524 शिकायतें दर्ज की गईं . 2024 में ये आंकड़े क्रमशः 22,849.49 करोड़ और 1,918,852 शिकायतें थे . इससे पता चलता है कि डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन निवेश और बैंकिंग फ्रॉड में तेजी से वृद्धि हुई है .

विशेषज्ञों का कहना है कि तेजी से डिजिटलीकरण और ऑनलाइन लेन-देन में वृद्धि ने साइबर अपराधियों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं . रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि निवेश योजनाओं के नाम पर कुल हानि का 77 प्रतिशत, डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से 8 प्रतिशत, क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के जरिए 7 प्रतिशत, सेक्सटॉर्शन में 4 प्रतिशत, ई-कॉमर्स फ्रॉड में 3 प्रतिशत, और ऐप/मालवेयर आधारित धोखाधड़ी में 1 प्रतिशत का नुकसान हुआ .

राज्यों के हिसाब से देखा जाए तो महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा हानि हुई – 3,203 करोड़ और 283,320 शिकायतें, इसके बाद कर्नाटक में 2,413 करोड़ और 213,228 शिकायतें, तमिलनाडु में 1,897 करोड़ और 123,290 शिकायतें, उत्तर प्रदेश में 1,443 करोड़ और 275,264 शिकायतें, और तेलंगाना में 1,372 करोड़ और 95,000 शिकायतें दर्ज की गईं . ये पांच राज्य राष्ट्रीय कुल का आधा से अधिक हिस्सा बनाते हैं .

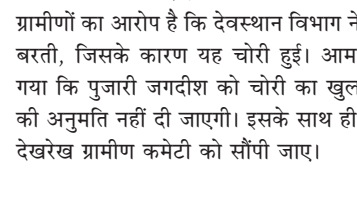
इसके अलावा, नागरिक वित्तीय साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग और मैनेजमेंट सिस्टम (CFCFRMS) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में लगभग 21 करोड़ साइबर फ्रॉड शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 45 प्रतिशत शिकायतें दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों – कंबोडिया, म्यांमार और लाओस – से आई थीं .

साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल नागरिकों को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों की शिकायत करने की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर विशेष ध्यान दिया गया है . ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का सामना करने वाले पीड़ितों को तुरंत सहायता देने के लिए डेडिकेटेड हेल्पलाइन नंबर 1930 भी उपलब्ध है .

विशेषज्ञों ने आम नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है और कहा कि ऑनलाइन निवेश, ई-कॉमर्स और डिजिटल लेन-देन में सुरक्षा उपाय अपनाना अब अनिवार्य है.

जावर माता शक्तिपीठ में चोरी का मामला: चांदी के आभूषण और लाखों की नकदी चोरी

24 न्यूज अपडेट



उदयपुर। उदयपुर से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित जावर माता शक्तिपीठ में बीती रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। अज्ञात चोरों ने मंदिर के गर्भगृह और दानपेटी का ताला तोड़कर करीब साढ़े चार किलो चांदी के आभूषण और 4 से 5 लाख रुपए नकद लेकर फरार हो गए। चोरी गए चांदी के आभूषणों में 1.25 किलो का चांदी का मुकु, 750 ग्राम का चांदी का छत्र, 620 ग्राम के चरण पायल, 22 तोला के चांदी के मेडल, 4 चांदी की कटोरियां और 4 थालियां, बड़ी चांदी की कटोरी, चांदी के तिलम, बिछुआ और रजड़ी, कुल मिलाकर करीब साढ़े पांच किलो चांदी के आभूषण शामिल हैं। पुजारी जगदीश ने बताया कि वह सामान्यतः सभी आभूषण अपने घर ले जाते हैं, लेकिन शुक्रवार की रात इसे घर ले जाना भूल गए। दानपेटी इस सप्ताह खोलने वाली थी, जिसमें लगभग 4 से 5 लाख रुपए की नकदी रखी थी। पुजारी ने बताया कि हर तीन महीने में दानपेटी खोली जाती है और इसमें औसतन इतनी ही राशि जमा होती है।

पुलिस की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलने पर टीडी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। एएसआई कालूराम ने कहा कि मौका पर्चा बना कर जांच शुरू कर दी गई है। सरपंच प्रकाश चंद्र मीणा और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। चोरी की घटना के बाद ग्रामीणों ने आमसभा बुलाई और चोरी पर गहरा आक्रोश जताया। उनका कहना है कि मंदिर में लगभग 6 महीने से सीसीटीवी कैमरे बंद हैं और रात में तैनात गार्ड भी इस दौरान छुट्टी पर था। ग्रामीणों का आरोप है कि देवस्थान विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरती, जिसके कारण यह चोरी हुई। आमसभा में यह भी निर्णय लिया गया कि पुजारी जगदीश को चोरी का खुलासा होने तक गर्भगृह में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि मंदिर की देखरेख ग्रामीण कमेटी को सौंपी जाए।



संपादकीय : उत्पीड़न के परिसर

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि कोई विद्यार्थी अपना भविष्य बेहतर बनाने के सपनों के साथ किसी कालेज में दाखिला ले और वहां परिचय के नाम पर होने वाली प्रताड़ना की वजह से उसकी जान चली जाए। उच्च शिक्षण संस्थानों में किसी भी तरह की रैगिंग के चलन पर पाबंदी है, लेकिन आज भी इसके बहाने अलग-अलग रूप में विद्यार्थियों को जानलेवा शक्ल में प्रताड़ित किए जाने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। हिमाचल प्रदेश में एक छात्रा के साथ रैगिंग का जैसा मामला सामने आया है, उससे फिर यह सवाल उठा है कि किसी भी रूप में इस चलन का जारी रहना शिक्षा से लेकर समाज तक के कितने हित में है। साथ ही, तमाम सख्ती के बावजूद आज भी इस पर रोक क्यों नहीं लग सकी है? गौरतलब है कि धर्मशाला स्थित एक कालेज की तीन छात्राओं के खिलाफ रैगिंग और मारपीट, जबकि एक प्रोफेसर के विरुद्ध पीड़ित छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। दर्ज मामले के मुताबिक, बीते 18 सितंबर को पिटाई और प्रताड़ना की वजह से पीड़ित छात्रा की हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान 26 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। इस घटना में शर्मनाक यह भी है कि कालेज के जिस प्राध्यापक को उत्पीड़न की घटना को रोकना चाहिए था, वह खुद भी छात्रा को प्रताड़ित करने में शामिल हो गया। इस घटना में संस्थान भी कठघरे में है, क्योंकि वहां का प्रबंधन रैगिंग के नाम पर होने वाली ऐसी हरकतों पर लगाम लगाने में नाकाम रहा। हिमाचल प्रदेश में यह कोई पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी विद्यार्थी को रैगिंग की वजह से जानलेवा हद तक यातना दी गई। करीब डेढ़ दशक पहले राज्य में कांगड़ा के एक कालेज में मेडिकल पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्र अमन काचरू के साथ वहीं के चार वरिष्ठ छात्रों ने रैगिंग के दौरान मारपीट की थी, जिसके बाद उसकी जान चली गई थी। ऐसी कई घटनाओं के जैसे त्रासद नतीजे सामने आए, उससे एक व्यापक बहस खड़ी हुई कि उच्च शिक्षण संस्थानों में नवागंतुक विद्यार्थियों की रैगिंग को क्यों नहीं तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। इसी क्रम में कानून तहत शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर प्रतिबंध लगाए गए और खुद सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि अगर शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की किसी भी तरह की कोई घटना होती हैं, तो इसकी जिम्मेदारी संस्थान के प्रमुख पर होगी। यह समझना मुश्किल है कि कालेज में कुछ वरिष्ठ कहे जाने वाले विद्यार्थियों के भीतर नए विद्यार्थी को किसी भी रूप में प्रताड़ित करने के मानसिक ढांचे के स्रोत क्या हैं ! क्या इसके पीछे किसी नवागंतुक विद्यार्थी के मनोबल को तोड़ देने की मंशा काम करती है ? आपसी परिचय या सहजता के नाम पर किसी विद्यार्थी को इस हद तक प्रताड़ित करना कि वह उसके लिए जानलेवा साबित हो, क्या एक सामंती कुंठा का परिचायक नहीं है? अगर परिचय के नाम पर यातना देने के चलन को आपस में सहज होने के लिए सिर्फ मनोविनोद के रूप में देखा जाना जाता है, तो क्या यह एक आपराधिक तरीका नहीं है, जिसमें कालेज में आए एक नए विद्यार्थी के मन पर गहरी चोट पहुंचती है, वह खुद को अपमानित महसूस करता है, उसकी पढ़ाई बाधित हो सकती है ? इस क्रम में शारीरिक और मानसिक यातना दिए जाने की वजह से किसी विद्यार्थी की जान जाने की घटनाएं अक्सर व्यापक चिंता का कारण बनती रही हैं और इस पर हर हाल में रोक लगनी चाहिए।

असुरक्षित सफर

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, व्यवस्था में एक गहरी और चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। इससे आमजन में असुरक्षा, निराशा और अविश्वास की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। अगर कानून व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाले ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने लगें, तो सुरक्षा और न्याय की उम्मीद किससे की जाए ! बिहार में एक ऐसी ही चौंका देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपए के सोने की लूट की जांच कर रहा राजकीय रेलवे पुलिस का अधिकारी ही मामले में संलिप्त पाया गया। इस बात का खुलासा तब हुआ, जब पटना रेलवे पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच दल ने गहन तहकीकात की । हैरत की बात है कि जिस अधिकारी को रेल में सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई थी, वही अपराधियों की जमात में खड़ा पाया गया। ऐसे में यह सवाल और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि व्यवस्था में पनप रहे इस तरह के भ्रष्टाचार और अपराध के दरख्तों को खाद-पानी कहां से मिल रहा है ? गौरतलब है कि कोलकाता स्थित एक स्वर्ण कारोबारी के कर्मचारी ने बिहार के गया रेल थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि गत वर्ष नवंबर में हावड़ा- बीकानेर एक्सप्रेस रेल में यात्रा के दौरान गया स्टेशन पर पुलिस वर्दी में चार लोग ट्रेन में सवार हुए। पहले उन्होंने सोने को लेकर उनसे पूछताछ की और बाद में वे एक किलो सोने के बिस्कुट लेकर फरार हो गए। इसके बाद गया रेल थाना प्रभारी ने जांच शुरू की । जाहिर है कि जब लूट में शामिल पुलिस अधिकारी ही जांच कर रहा हो, तो सच सामने आने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। भारतीय रेल आए दिन अलग-अलग वहाने से किराए में बढ़ोतरी करने या अधिक पैसे वसूलने में तो कोई संकोच नहीं करती, लेकिन यात्रियों के सुरक्षित और सुविधाजनक सफर को सुनिश्चित करने में शायद उसकी कोई रुचि नहीं है। विडंबना यह है कि यात्रियों के सामने आपराधिक तत्त्वों के अलावा अब वैसे लोगों से भी खुद को बचाने की चुनौती हैं, जो उनकी सुरक्षा के लिए ही तैनात किए जाते हैं ।

पीड़ित व जरूरतमंद को सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने के लिए हों निरंतर प्रयास : श्री देवनानी

बार एसोसिएशन उदयपुर की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि अधिवक्ता समाज की एक महत्वपूर्ण धुरी हैं और न्याय के प्रति जनविश्वास बनाए रखने में उनकी भूमिका अत्यंत अहम है। अधिवक्ताओं को अपने पेशे में शुचिता, सौहार्द और संवेदनशीलता का समन्वय करते हुए पीड़ित और जरूरतमंद वर्ग को सस्ता व सुलभ न्याय दिलाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। श्री देवनानी शनिवार को आरएनटी मेडिकल कॉलेज के न्यू ऑडिटोरियम में आयोजित उदयपुर बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ज्ञानप्रकाश गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उदयपुर शहर विधायक श्री ताराचंद जैन, राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य जस्टिस श्री रामचंद्रसिंह झाला तथा अतिरिक्त महाधिवक्ता डॉ. प्रवीण खण्डेलवाल उपस्थित रहे। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। निवर्तमान अध्यक्ष श्री चंद्रभानसिंह शक्तावत, महासचिव श्री महावीरप्रसाद शर्मा, नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री जितेंद्र जैन, महासचिव श्री लोकेश गुर्जर सहित पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। बार एसोसिएशन उदयपुर की परंपरा के अनुसार निवर्तमान अध्यक्ष श्री शक्तावत ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री जितेंद्र जैन को शपथ दिलाई, जबकि अध्यक्ष श्री जैन ने महासचिव सहित पूरी कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराई।

आज़ादी की लड़ाई में वकीलों का ऐतिहासिक योगदान

विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था का इतिहास अत्यंत प्राचीन है, जिसका उल्लेख मनुस्मृति और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी मिलता है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अधिवक्ताओं का योगदान उल्लेखनीय रहा है। महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय, चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य और चितरंजन दास जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानी पेशे से वकील थे। आज़ादी के बाद संविधान निर्माण में भी अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज भी समाज में न्याय की प्रतिष्ठा और सामाजिक संतुलन बनाए रखने में अधिवक्ता वर्ग की प्रासंगिकता स्वयं सिद्ध है।

केवल मुकदमा जीतना नहीं, न्याय सुनिश्चित करना लक्ष्य

श्री देवनानी ने कहा कि अधिवक्ता का उद्देश्य केवल मुकदमा जीतना नहीं होना चाहिए, बल्कि न्याय की सुनिश्चितता सर्वोपरि होनी चाहिए। कानून के प्रति समाज का भरोसा बनाए रखना शासन-प्रशासन के साथ-साथ बेंच और बार की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ताओं से युवाओं को प्रेरित और संस्कारित करने का आह्वान किया, ताकि न्याय की गरिमा अक्षुण्ण बनी रहे।

पारदर्शिता और निष्पक्षता पर जोर

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि न्याय की देवी की आंखों पर प्रतीकात्मक पट्टी थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा न्याय प्रणाली में किए गए सुधारों से पारदर्शिता और निष्पक्षता के भाव और अधिक सशक्त हुए हैं। हाईकोर्ट बेंच की मांग पर सेतु बनने का आश्वासन समारोह के दौरान बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की लंबित मांग को लेकर विधानसभा अध्यक्ष से सहयोग की अपील की। इस पर श्री देवनानी ने आश्वासन दिया कि बार प्रतिनिधिमंडल के जयपुर आगमन पर वे मुख्यमंत्री, कानून मंत्री सहित संबंधित अधिकारियों से चर्चा में सेतु की भूमिका निभाएंगे और अपनी ओर से भी इस मांग के समर्थन में प्रयास करेंगे।



राजस्थान सफाई कर्मचारी संघ की क्रिकेट व राजस्थानी पोशाक प्रतियोगिता, विजेताओं का हुआ सम्मान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान सफाई कर्मचारी संघ उदयपुर के तत्वावधान में शनिवार को सुखाड़िया रंगमंच, टाउन हॉल प्रांगण में क्रिकेट प्रतियोगिता एवं राजस्थानी पोशाक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन का उद्देश्य सफाई कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के बीच खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम आयुक्त एवं उप महापौर उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता एवं उपविजेता टीमों को अपने हाथों से पुरस्कार प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों में आपसी समन्वय, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सकारात्मक वातावरण बनता है। आयोजन के दौरान महिला वर्ग के लिए राजस्थानी पोशाक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें प्रत्येक वार्ड से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए प्रतिभागियों का चयन किया गया। चयनित महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी, उनके परिवारजन एवं संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. दिवाकर सिंह व डॉ. ऋतु मेहता ने राष्ट्रीय योग चैंपियनशिप में निभाई अहम भूमिका



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर निवासी डॉ. दिवाकर सिंह एवं डॉ. ऋतु मेहता ने 50वीं सब-जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश के कोच एवं राष्ट्रीय योगासन रेफरी के रूप में सहभागिता की। यह प्रतियोगिता 27 से 30 दिसंबर 2025 तक रांची (झारखंड) में आयोजित हुई, जिसमें 34 राज्यों के करीब 900 खिलाड़ियों ने भाग लिया। योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा डॉ. दिवाकर सिंह और डॉ. ऋतु मेहता को सम्मानित किया गया। उदयपुर के महाराणा मेवाड़ विद्या मंदिर विद्यालय के छात्र पूर्णेश सिंह एवं जिज्ञांश सिंह ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रतियोगिता में भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश से 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 6 खिलाड़ियों ने पदक जीते। विजेता खिलाड़ियों को दुबई में प्रस्तावित एशियन योगा चैंपियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा। योगासन स्पोर्ट्स एलाइंस एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. महेश चंद्र एवं सचिव आचार्य भीम जी ने टीम को बधाई दी।

संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में कल आएंगे द ग्रेट खली

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कविता गांव के बजरंग क्लब की ओर से हो रही संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का कल समापन समारोह होगा। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय रेसलर 'द ग्रेट खली' होंगे। खली के आगमन को लेकर खिलाड़ियों और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पिछले पच्चीस वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता ने क्षेत्र को कई राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय वॉलीबॉल खिलाड़ी दिए हैं। आयोजन कविता उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में होगा। संयोजक कविता पूर्व सरपंच देवीलाल पालीवाल ,अर्जुन पालीवाल ने बताया कि द ग्रेट खली जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी की उपस्थिति से युवाओं और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा तथा आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। बजरंग क्लब का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देना और खेल संस्कृति को निरंतर आगे बढ़ाना है।



उदयपुर के संदीप राठौड़ को लाइफटाइम 'मरू रत्न' सम्मान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/जोधपुर, 3 जनवरी। मरुस्थलीय पर्यावरण संरक्षण और जल–संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए उदयपुर निवासी संदीप राठौड़ को लाइफटाइम 'मरू रत्न पुरस्कार–2025' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान श्री पुष्कर श्रीपुरोहित सुरजाज रूपदेवी स्मृति महिला महाविद्यालय एवं मरू पर्यावरण संरक्षण संस्थान (डेको) के संयुक्त तत्वावधान में जोधपुर स्थित श्री पुष्कर महिला महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय मरू रत्न पुरस्कार–2025 समारोह में प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायाधीश श्री एन.एन. माथुर रहे, जबकि सम्मानित अतिथि ख्यातनाम वैज्ञानिक एवं काजरी के पूर्व कुलपति डॉ. एस.एल. हर्ष उपस्थित रहे। डॉ. एस.एल. हर्ष ने पर्यावरण, कृषि और जल संरक्षण को संतुलित विकास की कुंजी बताया। डेको के संयोजक डॉ. एस.एल. हर्ष ने बताया कि समारोह में कुल 13 राष्ट्रीय मरू रत्नों को शॉल, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्वागत संबोधन महाविद्यालय सचिव एवं श्री पुष्कर एजुकेशन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश लोहटा ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. के.के. व्यास ने आभार जताया। मंच संचालन डॉ. राजेश बोहरा एवं डॉ. आशा पुरोहित ने किया।

नाकाबंदी में फंसा अफीम तस्कर, 6.40 लाख की 1 किलो अफीम के साथ दबोचा



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सदर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (DST) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अफीम की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 35 ग्राम अवैध अफीम बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 6.40 लाख रुपये आंकी गई है।

नाकाबंदी में फंसा तस्कर

शुक्रवार को सदर थाना प्रभारी रूपसिंह और DST प्रभारी विवेकभान सिंह के नेतृत्व में मलवासा गांव क्षेत्र में नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान दोपहर करीब 3 बजकर 55 मिनट पर सागडोद की ओर से एक युवक बाइक पर आता नजर आया। पुलिस को देखकर युवक घबरा गया और संदिग्ध गतिविधि करने लगा। शक होने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान बाइक पर टंगे बैग से एक पॉलीथिन मिली, जिसमें भारी मात्रा में अफीम भरी हुई थी।

अफीम बरामद होते ही युवक मौके से भागने लगा, लेकिन सतर्क पुलिस टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। सप्लाई देने जा रहा था आरोपी प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह यह अफीम महेंद्र नामक व्यक्ति को सप्लाई देने जा रहा था। दोनों के बीच मोबाइल फोन के जरिए संपर्क हुआ था। पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही सप्लायर मौके से फरार हो गया। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

RGHS में बड़ा घोटाला: एक हफ्ते में 6 फार्मा स्टोर्स पर कार्रवाई, फर्जी बिलों से लाखों की निकासी, 4 पर FIR, 2 योजना से बाहर



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (RGHS) में चल रही अनियमितताओं का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने बीते एक सप्ताह के भीतर बड़ी कार्रवाई करते हुए योजना में गड़बड़ी करने वाले 6 फार्मा स्टोर्स पर शिकंजा कसा है। इनमें से चार फार्मा स्टोर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है, जबकि दो को सीधे RGHS योजना से बाहर कर दिया गया है। जांच में सामने आया है कि कुछ फार्मा स्टोर संचालकों ने बाजार से दवाइयां और इंजेक्शन खरीदे बिना ही RGHS के नाम पर फर्जी बिल तैयार किए और लाखों रुपये का भुगतान उठा लिया।

बिना दवा खरीदे बना दिए बिल

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इन मामलों में सरकारी कर्मचारियों और मेडिकल फर्मों की मिलीभगत भी सामने आई है। कई स्टोर्स ने मरीजों को दवा देना तो दूर, दवाइयां खरीदी तक नहीं, लेकिन सिस्टम में बिक्री दिखाकर सरकारी खजाने से भुगतान ले लिया। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के सीईओ हरजीलाल अटल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ही करोड़ों रुपये के फर्जीवाड़े के संकेत मिले हैं, जिसके बाद सख्त कदम उठाए गए।

14 कर्मचारी सस्पेंड, 19 पर विभागीय कार्रवाई

हरजीलाल अटल ने बताया कि पहले की जांचों में दोषी पाए गए मामलों में पुलिस विभाग के 4 और आयुर्वेद विभाग के 10 कर्मचारियों को निलंबित किया जा चुका है। यानी अब तक कुल 14 कर्मचारी सस्पेंड किए जा चुके हैं। इसके अलावा, शिकायतों और आंतरिक जांच के आधार पर 19 अन्य कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और रिकवरी की प्रक्रिया शुरू करने के लिए पत्र जारी किए गए हैं। इससे पहले भी RGHS से जुड़े मामलों में 54 कर्मचारियों को निलंबित किया जा चुका है।

किन-किन फार्मा स्टोर्स पर हुई कार्रवाई

राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के अनुसार— भीलवाड़ा के हरिकृष्णा मेडिकल स्टोर और सावरिया फार्मा स्टोर पर गंभीर अनियमितताओं के चलते ड्रग लाइसेंस सस्पेंड कर एफआईआर दर्ज कराई गई है। इन दोनों स्टोर्स ने ऐसी दवाओं और इंजेक्शनों की बिक्री दिखाई, जिन्हें उन्होंने खरीदा ही नहीं। अकेले इन मामलों में करीब 27 लाख रुपये का गलत भुगतान उठाया गया। नागौर जिले के रेन और जायल स्थित कॉन्फेड फार्मा स्टोर पर RGHS पर्चियों में छेड़छाड़ कर भुगतान लेने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। गंभीर अनियमितताओं के चलते बीकानेर की कॉन्फेड फार्मा शॉप नंबर-06 और हनुमानगढ़ की शॉप नंबर-05 को RGHS योजना से पूरी तरह हटा दिया गया है।

विभाग की सख्त चेतावनी

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया है कि RGHS जैसी जनकल्याणकारी योजना में भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है और आने वाले दिनों में और भी कार्रवाई संभव है।

महाशिवरात्रि पर अशोक नगर हनुमान शिव मंदिर में होगा भव्य आयोजन

श्रद्धालुओं के लिए भोले प्रसाद की विशेष व्यवस्था, जिम्मेदारियां तय



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अशोक नगर मेन रोड स्थित हनुमान शिव मंदिर में आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और सुव्यवस्थित आयोजन के साथ मनाया जाएगा। इसे लेकर मंदिर समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा तय करते हुए विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंप दी गईं। समिति के सुनील कालरा ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए कार्य विभाजन किया गया है, ताकि भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। समिति सदस्य दीपक बिलोची ने जानकारी दी कि श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद व्यवस्था हेमन्त गौड़ के नेतृत्व में की जाएगी। मंदिर परिसर में विशेष रूप से भोले प्रसाद का काउंटर लगाया जाएगा, जहां केसर युक्त दूध, फल, सेवई, पकौड़े एवं मिठाइयों का वितरण किया जाएगा। वहीं समिति के राजेन्द्र जैन ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सेवकों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। महाशिवरात्रि के दिन भोले प्रसाद का वितरण प्रातः 6:30 बजे से प्रभु इच्छा तक निरंतर जारी रहेगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने आपसी समन्वय से आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में हरीश ठाकुर, सुनील कालरा, शैलेन्द्र तलदार, अनिल कस्तुरी, राजेन्द्र जैन, दीपक बिलोची, गौरव कंधारी, अनिल माटा, जितेन्द्र कालरा, हेमन्त गौड़, नरेंद्र डेम्बला, विकास छाबड़िया, चिराग खथूरिया एवं आत्मप्रकाश जैन उपस्थित रहे।

भारत व चार देशों के बच्चों का उदयपुर में संगम, 5 जनवरी "वन वर्ल्ड–इंटरनेशनल 2026"



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जाति, धर्म और सामाजिक भेदभाव को पीछे छोड़कर वैश्विक एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का संदेश देने के लिए भारत व चार देशों के बच्चों का संगम "वन वर्ल्ड–इंटरनेशनल 2026" कार्यक्रम के तहत 5 जनवरी से उदयपुर में होने जा रहा है। यह आयोजन हर आर्ट ग्लोबल वेलनेस फाउंडेशन और सनराइज ग्रुप ऑफ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में, रोटरी क्लब ऑफ मीरा के रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड (रायला) के सहयोग से हो रहा है। कार्यक्रम की फाउंडर ललिता स्वामी ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में मलेशिया, श्रीलंका, नेपाल, मॉरीशियस और भारत के विभिन्न शहरों से कुल 135 बच्चे भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त राजस्थान व उदयपुर के लगभग 400 बच्चे भी सक्रिय रूप से शामिल होंगे। बच्चों को नेतृत्व, अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए विभिन्न कला, नाट्य, वाद-विवाद और सृजनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। श्रीमती स्वामी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन 5 जनवरी को गीतांजलि मेडिकल कॉलेज के सभागार में होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत होंगे। अध्यक्षता लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रज्ञा मेहता, इस्कॉन के श्री महात्मा दास, आईआरएएस जैगम अली खान, संतुलन दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान प्रमुख साध्वी दीपिका और राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया शामिल होंगे। सनराइज ग्रुप ऑफ कॉलेज के संस्थापक हरीश राजानी ने बताया कि यह कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास का अनूठा मंच साबित होगा। विभिन्न देशों एवं संस्कृतियों के बच्चे आपसी संवाद और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से एक-दूसरे से सीखेंगे। हरीश राजानी ने कहा कि उदयपुर की संस्कृति और स्वाभिमान बच्चों को सिखाना हमारे लिए गौरव की बात है। रोटरी क्लब उदयपुर मीरा की अध्यक्षा डॉ. रेखा सोनी ने बताया कि यह आयोजन युवाओं में नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करेगा और उन्हें जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। रायला निदेशक डॉ. हर्षा कुमार एवं रोटरी क्लब उदयपुर मीरा ट्रेनर विजयलक्ष्मी गलूंडिया ने कहा कि कार्यक्रम के अंतर्गत कला प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक जैसी विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम सचिव कविता बलदेवा ने बताया कि उदयपुर शहर से राजकीय उच्च माध्यमिक प्रज्ञा चक्षु विद्यालय अंबामाता, विद्याभवन सीनियर सेकंडरी स्कूल फतहपुरा, पं. खेमराज राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय आई.ए.डी., अभिलाषा विशेष विद्यालय, स्वीट वॉयस जयपुर, प्राच्य शोध पीठ समिति, प्रयास, सिटी प्राइड पब्लिक स्कूल, विवेकानंद केंद्रीय विद्यालय तथा घुमंतू विद्यार्थी इसमें भाग लेंगे। श्रीमती स्वामी ने कहा कि यह चार दिन तक चलने वाला आयोजन बच्चों में सहयोग, एकता और वैश्विक समझ पैदा करने में सहायक होगा, और वे संस्कृति, संस्कार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से जीवन की नई सीख हासिल करेंगे।

भलो का गुड़ा, मानपुरा, नामरी ओर भीमल पहुंची सेमी फाइनल में



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डांगी सेवा संस्थान खेल संघ उदयपुर के तत्वाधान में आयोजक गांव पुला द्वारा आयोजित 38वीं क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमी फाइनल मैच में भलो का गुड़ा, मानपुरा, नामरी ओर भीमल की टीमों ने अपनी जगह बनाई है। 24 दिसंबर को शुरू हुए इस टूर्नामेंट में डांगी समाज की कुल 64 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट को लेकर डांगी समाज के खेल प्रेमियों के साथ ही समाज जनों का भारी उत्साह देखा जा रहा है । खेल संघ अध्यक्ष रामलाल डांगी, पूला उपाध्यक्ष केशु लाल डांगी, सचिव रमेश डांगी, दिनेश डांगी, पुष्कर डांगी, प्रवीण डांगी, गणेश डांगी, प्रकाश डांगी, भगवती डांगी, निर्मल डांगी शंभू लाल डांगी, धर्म नारायण डांगी, बाबूलाल डांगी, कपिल डांगी ने क्वार्टर फाइनल मैच में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर आगे की रूपरेखा तैयार करी।

150 से अधिक युवा योद्धाओं ने दिखाया दमखम, एस.आर.ए.–एम.एम.ए. से-14 बनी जिला किकबॉक्सिंग चैम्पियन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मिक्स्ड कॉम्बैट फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा अनुमोदित प्रथम जिला स्तरीय "किकबॉक्सिंग शोडाउन–2025" का आयोजन 27 एवं 28 दिसंबर को उदयपुर में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का शभारंभ राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षक शिहान राजकुमार मेनारिया के उद्घोष "हाज्मे" के साथ हुआ। टूर्नामेंट डायरेक्टर रेन्शी विपाश ने बताया कि मिक्स्ड कॉम्बैट आर्ट्स की दुनिया में इस नई श्रृंखला की शुरुआत एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आयोजन के माध्यम से सेन्साए कॉम्बैट एरिना को इस ऐतिहासिक पहल का गौरव प्राप्त हुआ है। "किकबॉक्सिंग शोडाउन–2025" में उदयपुर जिले के 150 से अधिक कनिष्ठ बालक एवं बालिका मार्शल आर्ट खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में भाग लेकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एस.आर.ए.–एम.एम.ए. (से-14 ब्रांच) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 स्वर्ण पदक अर्जित किए और चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शिवांश सरकार, रितुपर्णा असारी, संचित टांक एवं विक्रान वीर जोशी को बेस्ट फाइटर ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। पदक एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए शिहान राजकुमार मेनारिया ने कहा कि मार्शल आर्ट केवल युद्ध कला नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक अनुशासित और साहसपूर्ण कला है, जिसका मूल मंत्र "बहादुरी" है। उन्होंने बताया कि भारतीय मिक्स्ड कॉम्बैट आर्ट फेडरेशन (IMCF) का उद्देश्य देशभर के मार्शल आर्ट खिलाड़ियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं पक्षपात-मुक्त प्रतियोगिता प्रणाली उपलब्ध कराना है, ताकि भारत को सामरिक युद्ध कलाओं में उसके पूर्व गौरवशाली स्थान पर पुनः स्थापित किया जा सके। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं मंदिर शिल्प ठेकेदार श्री कमल हिंगड उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान कीं।

लुई ब्रेल जयंती पर 4 को निःशुल्क चिकित्सा शिविर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ब्रेल लिपि के प्रणेता लुई ब्रेल की 217वीं जयंती के अवसर पर उदयपुर में दिव्यांग सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समिधा संस्थान द्वारा संचालित समिधा दृष्टि दिव्यांग मिशन के तत्वावधान में यह आयोजन 4 जनवरी 2026 को किया जाएगा, जिसमें उदयपुर संभाग के बड़ी संख्या में दृष्टिबाधित विद्यार्थी शामिल होंगे। समिधा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. चन्द्रगुप्त सिंह चौहान ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 250 से 300 दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि आयोजन का उद्देश्य केवल जयंती मनाना नहीं, बल्कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, स्वावलंबन और सकारात्मक सोच को मजबूत करना है, ताकि वे अपने भविष्य को लेकर स्वयं निर्णय लेने में सक्षम बन सकें। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को संबोधित किया जाएगा और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरक विचार साझा किए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार यह संवाद विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने में सहायक होगा। निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया जाएगा। यह शिविर पेसीफीक हॉस्पिटल, उमरड़ा (उदयपुर), चौधरी हॉस्पिटल, उदयपुर तथा राजस्थान स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सहयोग से लगाया जाएगा। शिविर में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा।

मकर संक्रांति खेलोत्सव 3.0 का क्रिकेट और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं के साथ हुआ शुभारंभ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि सामूहिकता, एकजुटता और टीम वर्क की शिक्षा भी देते हैं। यह बात उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने शनिवार को आरसीए मैदान में उदयपुर नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित मकर संक्रांति खेलोत्सव 3.0 के प्रमुख प्रतियोगिताओं के शुभारंभ के अवसर पर कही। विधायक जैन ने क्रिकेट मैच का टॉस उछालकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब समाज के युवा एक टीम के रूप में लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, तो यही जीवन में भी टीम वर्क की सीख है। उन्होंने माहेश्वरी समाज और नगर माहेश्वरी युवा संगठन को इस आयोजन के लिए बधाई दी और समाजसेवियों मदन लाल धुप्पड़, मदन लाल मूंदड़ा, अर्जुन लाल मंत्री, जानकी लाल मूंदड़ा के उल्लेखनीय योगदान को याद किया। नगर माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष मयंक मूंदड़ा ने बताया कि सुबह क्रिकेट प्रतियोगिताओं के बाद शाम को वॉलीबॉल के मैच हुए। इनका फाइनल 4 जनवरी रविवार सुबह से होगा। इसके पश्चात सितोलिया और एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी भाग ले सकेंगे। उपाध्यक्ष मयंक दिलीप मूंदड़ा, मंत्री मोहित मूंदड़ा ने बताया कि समापन समारोह 4 जनवरी शाम साढ़े पांच बजे आरसीए ऑडिटोरियम में होगा।

विगत कई वर्षों से चल रहे रास्ते के विवाद को एक दिन में सुलझाया



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। भीलूड़ा गांव में वर्ष 1984 से आबादी भूमि में रास्ते से संबंधित विवाद चला आ रहा था, जिसे एक दिन में ही तहसीलदार रमेशचंद्र वडेरा की उपस्थिति में सुलझा लिया गया। तहसीलदार रमेशचंद्र वडेरा ने बताया कि रास्ते का विवाद शंकरलाल भट्ट एवं भोगीलाल सुथार के मध्य करीब 41 वर्षों से चला आ रहा था, जो जिला कलेक्टर तक पहुंचा। जिला कलेक्टर के निर्देशों की पालना में राजस्व टीम द्वारा तहसीलदार डॉ. रमेशचंद्र वडेरा को विशेष रूप से आबादी भूमि में स्थित रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए गए थे। दोनों पक्षों को किसी प्रकार का नुकसान न हो तथा किसी को अनुचित लाभ भी न मिले, इस उद्देश्य से आपसी सहमति से मामले का निपटारा कराया गया। प्रशासन की ओर से जेसीबी मंगवाकर भू-अभिलेख निरीक्षक नितेश शुक्ला, पटवारी भूपेश पाटीदार, ग्राम विकास अधिकारी भावेश पाटीदार एवं सरपंच प्रवीण डामोर के सहयोग से रास्ता खुलवाकर अतिक्रमण मुक्त किया गया। प्रशासन द्वारा खुलवाए गए मार्ग पर अब सीसी सड़क का निर्माण कराया जाएगा, जिससे आमजन की आवाजाही सुगम होगी। वर्षों पुराने विवाद के निस्तारण पर परिवादी शंकरलाल भट्ट खुशी से भावुक हो उठे एवं तहसीलदार का आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार पूर्व में इस विवाद को लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर कई बार समितियां गठित की गईं, लेकिन दोनों पक्षों में सहमति नहीं बनने से मामला सुलझ नहीं पाया था। इस अवसर पर मानशंकर भट्ट, रमेश सोमपुरा, हेमेंद्र भट्ट, खुशवंत भट्ट उपस्थित रहे।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज सभागार तक पहुंचने के लिए अब "एलिवेटेड रोड" की जरूरत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज जो महाराणा भूपाल अस्पताल परिसर का ही अभिन्न हिस्सा है, वहां मेडिकल विद्यार्थियों की जरूरतों के लिए जनता के टैक्स के पैसों से एक शानदार सभागार बनाया गया है। विडंबना यह है कि यह सभागार आज विद्यार्थियों से ज्यादा उदयपुर के हाई पावर लोगों के इस्तेमाल का केंद्र बन चुका है। यहां आए दिन लगातार बड़े-बड़े आयोजन हो रहे हैं, जिनमें वीआईपी और वीवीआईपी की मौजूदगी रहती है। इस सभागार तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता एमबी अस्पताल का मुख्य गेट है। यही वह गेट है जहां से उदयपुर संभाग ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से आने वाले गंभीर मरीज, उनके परिजन और पल-पल जिंदगी बचाने दौड़ती एम्बुलेंस प्रवेश करती हैं। लेकिन जैसे ही किसी वीआईपी या वीवीआईपी का कार्यक्रम होता है, अस्पताल का यह गेट बंद कर दिया जाता है और मरीजों को दूसरे रास्तों पर भटकने के लिए खदेड़ दिया जाता है। पुलिस पहरे में यह तमाशा तब तक चलता है, जब तक कार्यक्रम खत्म नहीं हो जाता या वीआईपी तशरीफ नहीं ले जाते। बाहर से आए हैरान-परेशान मरीजों के लिए यह स्थिति किसी सजा से कम नहीं होती। एम्बुलेंस में जिंदगी और मौत से जूझ रहे मरीजों के लिए यह हालात कई बार बेहद भारी पड़ जाते हैं। इसके बावजूद उदयपुर में वीआईपी कल्चर के आदी हो चुके नेता, प्रशासनिक अधिकारी और संगठन हर बार यहीं कार्यक्रम रख लेते हैं। उन्हें न मरीज दिखते हैं, न अस्पताल की संवेदनशीलता। उनकी संवेदनशीलता मर चुकी है। अच्छा बुरा सोचने की क्षमता खत्म हो चुकी है।

अस्पताल अधीक्षक पर होनी चाहिए कार्रवाई

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर अस्पताल अधीक्षक मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाला ऐसा फैसला क्यों लेते हैं? यदि अस्पताल परिसर का यह सभागार सार्वजनिक रूप से कार्यक्रम करने के लिए है, तो फिर इसे अस्पताल परिसर से बाहर क्यों नहीं किया जाता? क्यों नहीं इसका अलग स्वतंत्र रास्ता बनाया जाता? यदि यह भी संभव नहीं है, तो अब समय आ गया है कि आरएनटी मेडिकल कॉलेज सभागार तक पहुंचने के लिए अलग वीवीआईपी एलिवेटेड रोड बनाई जाए, ताकि आम जनता और मरीजों को परेशान न होना पड़े और अस्पताल का मुख्य मार्ग बाधित न हो। बताया जा रहा है कि आरएनटी के अधीक्षक शहर के विभिन्न संगठनों, नेताओं और प्रशासन में अपनी पैठ मजबूत करने के लिए इस सभागार में लगभग हर उस संगठन को कार्यक्रम की अनुमति दे रहे हैं, जिससे सत्ता प्रतिष्ठान में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ सके। इस चक्कर में अस्पताल की मूल आत्मा मरीज और उनकी जान अब पूरी तरह हाशिये पर चली गई है। राज्य सरकार को इस पूरे मामले में तत्काल दखल देकर ऐसी व्यवस्था पर रोक लगानी चाहिए। अस्पताल अधीक्षक व मेडिकल कॉलेज के सर्वेसर्वा पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उनसे एक्सप्लेनेशन कॉल किया जाना चाहिए कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर तबादले जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। साथ ही यहां आने वाले अतिथि, वीआईपी और वीवीआईपी भी आत्ममंथन करें कि अस्पताल में आम लोगों को परेशान कर वे आखिर किस तरह के अनर्थ का हिस्सा बन रहे हैं। क्योंकि अस्पताल आयोजन स्थल नहीं, बल्कि जिंदगी बचाने की आखिरी उम्मीद होता है।

केवड़े की नाल क्षेत्र के किसान मशरूम उत्पादन में नहीं हैं पीछे : डॉ. मीना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सलूम्बर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आयवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अनुसूचित जाति के किसानों को मशरूम की वैज्ञानिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अधीन महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित मशरूम अनुसंधान परियोजना द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) के अंतर्गत यह एक दिवसीय प्रशिक्षण ग्राम पंचायत धावड़िया (महुवाड़ा), पंचायत समिति जयसमंद, जिला सलूम्बर में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना प्रभारी प्रोफेसर नारायण लाल मीना ने किसानों को मशरूम के पोषणीय एवं औषधीय गुणों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मशरूम रक्तचाप नियंत्रित करने, मधुमेह प्रबंधन, हृदय रोगों के जोखिम को कम करने के साथ-साथ कैंसर एवं अल्जाइमर प्रतिरोधी गुणों से भरपूर होता है तथा इसमें एंटीऑक्सीडेंट तत्व भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। उन्होंने ढींगरी, बटन एवं दूधछाता मशरूम की वैज्ञानिक खेती की तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि केवड़े की नाल क्षेत्र की जलवायु मशरूम उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल है और यहां के अनुसूचित जाति के किसान इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की पूरी क्षमता रखते हैं। कार्यक्रम में अविनाश कुमार नागदा एवं किशन सिंह राजपूत ने मशरूम उत्पादन से संबंधित प्रायोगिक जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण में हीरा लाल मीणा (निरीक्षक, सहकारी समिति उदयपुर), भावना पटेल (कृषि पर्यवेक्षक), बालचंद मीणा (प्रशासक), मांगी लाल बुनकर एवं निर्मला बुनकर (सामाजिक कार्यकर्ता) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में पंचायत समिति जयसमंद क्षेत्र के आसपास के गांवों से कुल 30 महिला एवं पुरुष किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम खेती से संबंधित आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। यह जानकारी डॉ. जी. एल. मीना, मीडिया प्रकोष्ठ एवं जनसंपर्क अधिकारी, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने दी।

बेघरबारों का सपना साकार करने वाला आंदोलन थे कॉमरेड बी.एल. सिंघवी : प्रो. हेमेन्द्र चण्डालिया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर विकास प्रन्यास और राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की स्थापना आम नागरिक को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुई, लेकिन ये संस्थाएं अपने लक्ष्य को पूरा करने में असफल रही हैं। इसके विपरीत, उदयपुर में हजारों गरीब परिवारों को आवास के लिए जमीन कॉ. बी.एल. सिंघवी, कॉ. भंवरलाल बारबर और कॉ. आयल दास के नेतृत्व में हुए जन आंदोलन से प्राप्त हुई। यह विचार शिक्षाविद् प्रो. हेमेन्द्र चण्डालिया ने कॉमरेड बी.एल. सिंघवी की 10वीं पुण्यतिथि एवं उदयपुर में कच्ची बस्ती आंदोलन के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देवाली में आयोजित सभा में व्यक्त किए। प्रो. हेमेन्द्र चण्डालिया ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सपना होता है कि उसका स्वयं का आवास हो, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में यह सपना गरीबों ही नहीं, बल्कि मध्यम वर्ग के लिए भी लगभग असंभव होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज आवास के अधिकार को साकार करने के लिए एक बी.एल. सिंघवी नहीं, बल्कि सैकड़ों बी.एल. सिंघवी, भंवरलाल बारबर और आयल दास जैसे जनसंघर्षशील नेताओं की आवश्यकता है। माकपा देवाली शाखा सचिव एवं शिक्षाविद् जगदीश सालवी ने कहा कि करोड़ों लोग जन्म लेते हैं, लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं जो निजी स्वार्थ छोड़कर समाज के वंचित वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर देते हैं। कॉ. बी.एल. सिंघवी ने गरीबों, किसानों, मजदूरों और आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई को अपना जीवन लक्ष्य बनाया। माकपा शहर सचिव हीरालाल सालवी ने कहा कि प्रगतिशील और कम्युनिस्ट कहलाने वाले बहुत लोग हैं, लेकिन कॉ. बी.एल. सिंघवी जैसे लोग बहुत कम होते हैं, जो सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा कि आज देश में साम्प्रदायिक और फासीवादी ताकतें मजबूत हो रही हैं, जिनकी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संगठित संघर्ष खड़ा करना ही कॉ. सिंघवी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। माकपा के पूर्व जिला सचिव प्रताप सिंह देवड़ा ने कहा कि कॉ. बी.एल. सिंघवी का संपूर्ण जीवन स्वयं में एक संदेश था। वे केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अपने सरल, ईमानदार और अनुशासनप्रिय आचरण से समाज को दिशा देते रहे। उन्होंने कहा कि हजारों गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराकर कॉ. सिंघवी उदयपुर की जनता के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे। कच्ची बस्ती फेडरेशन के सचिव दामोदर कुमावत ने कहा कि कॉ. बी.एल. सिंघवी ने अपना पूरा जीवन गरीबों, आदिवासियों, दलितों और आम जनता के अधिकारों के संघर्ष को समर्पित कर दिया। वे एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक आंदोलन थे। जब भी सरकार, प्रशासन या प्रभावशाली तत्वों ने जनता के अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया, कॉ. सिंघवी उनके सामने चट्टान की तरह खड़े रहे। तेजावत नगर कच्ची बस्ती फेडरेशन के अध्यक्ष नानालाल कुमावत ने कहा कि आपातकाल के दौरान अनेक नेताओं ने मीसा बंदी पेंशन ली, लेकिन कॉ. बी.एल. सिंघवी ने लगभग 9 माह जेल में रहने के बावजूद पेंशन लेने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि कॉ. सिंघवी ने केवल देशभक्ति की बातें नहीं कीं, बल्कि 30 वर्षों तक अपने कार्यालय, घर और कॉलोनी की नालियों की स्वयं सफाई कर इसे व्यवहार में सिद्ध किया। माकपा जिला सचिव एवं पूर्व पार्षद राजेश सिंघवी ने कहा कि एक सामान्य पिता अपने बच्चों के करियर को पद, प्रतिष्ठा और पैसे तक सीमित कर देता है, लेकिन कॉ. बी.एल. सिंघवी ने कभी अपने बच्चों पर अपनी इच्छाएं नहीं थोपीं। उन्होंने रिश्तों और मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखा। सभा को माकपा शहर सचिव पार्षद राजेन्द्र वसीटा, छोगालाल सेन, जावेद खान, शमशेर खान, मुनव्वर खान, ताराचंद पालीवाल और गट्टू बाई ने भी संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने कॉ. बी.एल. सिंघवी द्वारा शोषणमुक्त समाज की स्थापना के लिए किए गए संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

आरके सर्किल स्थित कृष्णा वाटिका में हुआ कैटरिंग मेले का शुभारंभ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर कैटरिंग डीलर समिति के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय आयोजन के अंतर्गत दूसरे दिन कैटरिंग मेले का शुभारंभ आरके सर्किल स्थित कृष्ण वाटिका में भव्य रूप से किया गया। मेले का उद्घाटन चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष पारस सिंघवी एवं राजस्थान सरकार के पूर्व राज्य मंत्री हरीश राजानी ने फीता काटकर किया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन कर विधिवत मेले की शुरुआत की गई। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और व्यापारियों से संवाद किया। उद्घाटन अवसर पर समिति के पदाधिकारी, कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े व्यापारी, शहर के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में समिति सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने मेले की भव्यता, बेहतर व्यवस्थाओं एवं इसकी व्यापारिक उपयोगिता की सराहना की। समिति अध्यक्ष कमल गुर्जर ने बताया कि मेले में देशभर से कैटरिंग एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़े व्यापारी शामिल हुए हैं, जो अपने नवीन उत्पाद, आधुनिक उपकरण एवं कैटरिंग से संबंधित सामग्री विशेष छूट दरों पर उपलब्ध करवा रहे हैं। एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की सामग्री उपलब्ध होने से स्थानीय कैटरिंग व्यवसायियों को गुणवत्तापूर्ण सामान क्रय करने में सुविधा मिल रही है, जिससे उनके व्यवसाय को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। समिति सचिव नरेश बंदवाल ने बताया कि मेले के साथ मनोरंजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी विशेष व्यवस्था की गई है। शुक्रवार शाम को बॉलीवुड नाइट 'धुरंधर' का आयोजन किया गया, जिसमें सूरत से आए प्रसिद्ध गायक कलाकार एवं डांस ग्रुप द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं। इससे व्यापार के साथ-साथ मनोरंजन का भी अवसर मिला। उन्होंने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सभी पदाधिकारी एवं व्यापारी सहयोग कर रहे हैं।

कैटरिंग व्यवसायी व बनाम पत्रकार संगठन में हुआ रोमांचक मैत्री क्रिकेट मैच

उदयपुर कैटरिंग डीलर समिति के तीन दिवसीय आयोजन का दूसरा दिन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर कैटरिंग डीलर समिति के तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन कैटरिंग व्यवसायियों और उदयपुर पत्रकार संगठन के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन आरके सर्कल स्थित साईं ग्रीन वाटिका में किया गया। खेल भावना और आपसी सौहार्द से ओतप्रोत इस मुकाबले में दोनों टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैच की जानकारी देते हुए उदयपुर पत्रकार संगठन के कप्तान हरीश नवलखा ने बताया कि कैटरिंग व्यवसायियों की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 10 ओवरों में कैटरिंग व्यवसायियों की टीम ने 64 रन बनाए। टीम की ओर से हेमेंद्र ने 22 रन तथा विजय ने 18 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। पत्रकार संगठन की ओर से नरेश मुड़िया, सुशील जैन और मनीष फैजान मोइन ने सटीक गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट लेकर कैटरिंग टीम को सीमित स्कोर पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी उदयपुर पत्रकार संगठन की टीम की शुरुआत सधी हुई रही। कमलेश और मनीष प्रजापत ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 6 ओवर में 40 रन तक पहुंचाया। इसके बाद नरेश मुड़िया ने निर्णायक क्षणों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए विजयी छक्का लगाया और पत्रकार संगठन को 8 विकेट से जीत दिलाई। मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए नरेश मुड़िया को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों में भी उत्साह देखने को मिला। समिति के पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। यह मैत्री क्रिकेट मैच केवल खेल आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कैटरिंग व्यवसायियों और पत्रकारों के बीच आपसी संवाद, सहयोग और सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम भी बना। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों और प्रतिभागियों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की सहमति जताई।

आयुष मित्र के रूप में क्रमोन्नयन हेतु महिला योग प्रशिक्षकों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत राज्य वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2025-26 के तहत आयुर्वेद विभाग, जिला उदयपुर द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) केंद्रों पर कार्यरत महिला योग प्रशिक्षकों को आयुष मित्र के रूप में क्रमोन्नत करने के उद्देश्य से दो दिवसीय जिला स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण 2 व 3 जनवरी 2026 को सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र, हवाला खुर्द, शिल्पग्राम-बड़ी रोड, उदयपुर में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में जिला उदयपुर एवं सलूंबर से कुल 73 महिला योग प्रशिक्षकों ने सहभागिता की। उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग उदयपुर डॉ. राजीव भट्ट ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य योग प्रशिक्षकों के ज्ञान, कौशल एवं कार्यक्षमता में वृद्धि करना है, ताकि वे आयुष सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इसके माध्यम से आयुष्मान आरोग्य मंदिरों द्वारा आमजन को योग एवं आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा। शिविर प्रभारी एवं सहायक निदेशक आयुर्वेद विभाग उदयपुर डॉ. भानु कुमार जैन ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों प्रकार का ज्ञान प्रदान किया गया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शोभालाल औदिच्य ने स्थानीय औषधीय पादपों पर विशेष व्याख्यान दिया। वहीं डॉ. लोकेश पांचाल, डॉ. केशव गुप्ता, डॉ. अक्षा कंवर, डॉ. दिलीप मीना एवं डॉ. राकेश बघेला ने योग, आयुर्वेदिक सिद्धांत, सामुदायिक स्वास्थ्य, आयुष मित्र की भूमिका तथा जनस्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।